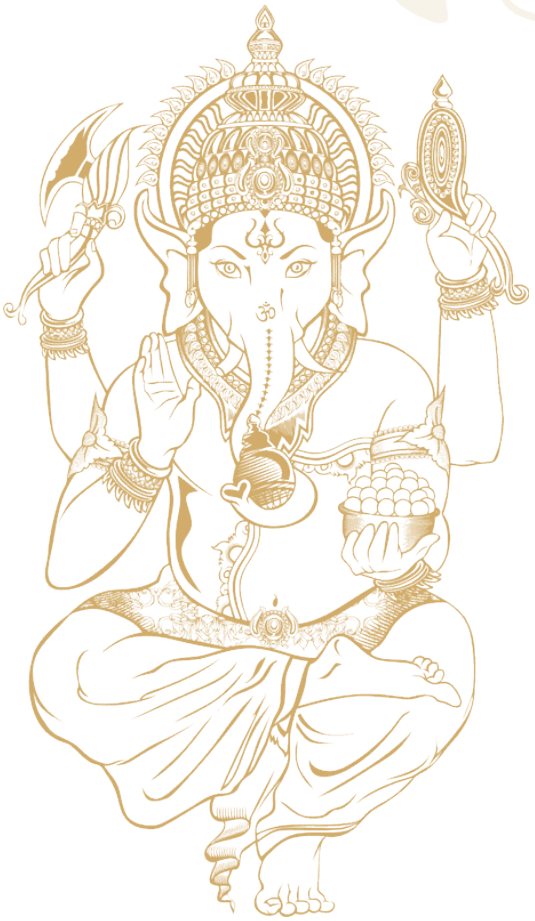

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121111106

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
12-13/09/1996 :	जन्म तिथि	: 25/09/2000
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 05:55:00 :	जन्म समय	: 08:30:00 घंटे
घटी 59:15:14 :	जन्म समय(घटी)	: 05:25:31 घटी
India :	देश	: India
Sirsa :	स्थान	: Nawashahr
29:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 31:06:00 उत्तर
75:04:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:12:54 :	सूर्योदय	: 06:15:31
18:37:15 :	सूर्यास्त	: 18:18:01
23:48:42 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:46

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 8मा 18दि	21:51:32	सिंह	लग्न	तुला	06:31:03	केतु 5वर्ष 8मा 4दि
राहु	26:41:12	सिंह	सूर्य	कन्या	08:29:09	शुक्र
03/06/2019	27:17:31	सिंह	चंद्र	सिंह	02:30:56	31/05/2006
02/06/2037	08:10:45	कर्क	मंगल	सिंह	11:14:52	31/05/2026
राहु 13/02/2022	05:39:03	कन्या व	बुध	तुला	01:43:42	शुक्र 30/09/2009
गुरु 08/07/2024	14:08:55	धनु	गुरु	वृष	17:20:21	सूर्य 30/09/2010
शनि 15/05/2027	12:26:19	कर्क	शुक्र	तुला	06:43:36	चन्द्र 31/05/2012
बुध 02/12/2029	11:12:42	मीन व	शनि व	वृष	06:58:21	मंगल 31/07/2013
केतु 20/12/2030	14:10:31	कन्या व	राहु व	मिथु	28:17:00	राहु 31/07/2016
शुक्र 20/12/2033	14:10:31	मीन व	केतु व	धनु	28:17:00	गुरु 01/04/2019
सूर्य 14/11/2034	07:07:32	मक व	हर्ष व	मक	23:25:52	शनि 31/05/2022
चन्द्र 15/05/2036	01:18:53	मक व	नेप व	मक	10:02:29	बुध 31/03/2025
मंगल 02/06/2037	06:50:02	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:37:43	केतु 31/05/2026

लग्न-चलित

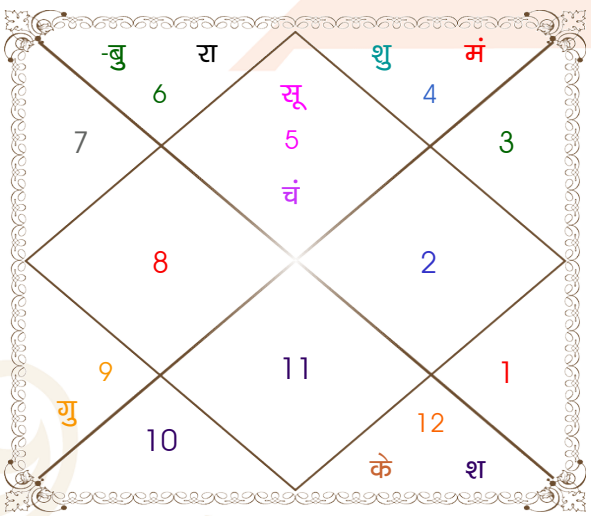

लग्न-चलित

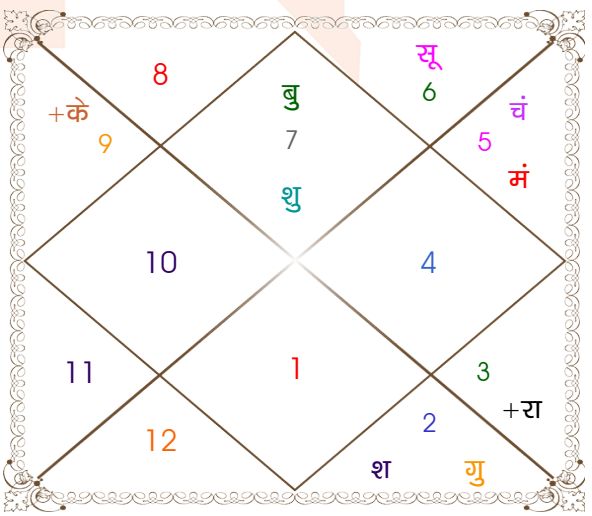

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

M का वर्ग श्वान है तथा F का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल M कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल M कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

F मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल F कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।